इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, शुक्रवार, 21 फरवरी, 2025
वर्ष : 17 अंक : 169 मूल्य : 4-00 रुपया पृष्ठ : 12
तापमान - अधिकतम 29.7°C (+2.9) न्यूनतम 12.2°C(+0.9) सेंसेक्स 75,939.18 (-28.21) निफ्टी 22,932.90 (-012.40) सोना 87,800 चांदी 1,00,500

एरा विश्वविद्यालय : फार्माकोविजिलेंस विषय पर हुआ सेमिनार

लखनऊ (सं)। एरा युनिवर्सिटी के एरा कॉलेज ऑफ फार्मेसी ने नेमी एजुकेशन के सहयोग से स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए फार्माकोविजिलेंस का महत्वः कैरियर विकल्पों की खोज विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार का आयोजन फार्माकोविजिलेंस के क्षेत्र में छात्रों के अवसरों और फार्मास्युटिकल उद्योग में एआई के अनुप्रयोग के बारे में छात्रों के बीच जागरुकता लाने के उद्देश्य से किया गया था।

कार्यक्रम की शुरुआत एरा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) अब्बास अली महदी के सम्बोधन से हुई। इसके बाद डीन एरा कॉलेज ऑफ फार्मेसी प्रो. एसजेएस फ्लोरा ने संबोधन दिया। प्रधानाचार्य एरा कॉलेज ऑफ फार्मेसी डॉ. मोहिनी चौरसिया, नेमी विशेषज्ञ डॉ. महेंद्र द्विवेदी, डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के निदेशक डॉ. भरत मिश्रा निदेशक नेमी प्रिया जायसवाल समेत कई विशेषज्ञ मौजूद थे। नेमी शिक्षा के विशेषज्ञों द्वारा चार व्याख्यान दिए गए। डॉक्टर महेंद्र द्विवेदी ने फार्मास्युटिकल विज्ञान के क्षेत्र में एआई के अनुप्रयोग और इसके विकास पर अपना व्याख्यान दिया, जो छात्रों के लिए करियर का एक विकल्प है। डॉ. भरत मिश्रा ने फार्माकोविजिलेंस के बारे में छात्रों को जानकारी दी और उनका मार्गदर्शन किया। नेमी विशेषज्ञ नेहा मिश्रा ने क्लिनिकल ट्रायल और क्लिनिकल ट्रायल के क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न नौकरियों पर बात की। इसके बाद नेमी विशेषज्ञ आराधना मौर्य ने फार्माकोविजिलेंस, इसके विनियमन और इसमें करियर के अवसरों के बारे में चर्चा की। कार्यक्रम का समापन एरा कॉलेज ऑफ फार्मेसी के संकाय डॉ. आलोक शिओमूर्ति त्रिपाठी के सम्बोधन के साथ हुआ।